संपादक के नोट।

आप सबको हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता येशु मसीह के नाम से शुभकामनाएँ।

यह फिर एक बार क्रिसमस का मौसम है। दिसंबर का महिना याने क्रिसमस। दिसंबर का प्रारम्भ होते ही हम क्रिसमस गीतों को क्रिस्ती घरों में सुनते हैं। हम क्रिस्ती घरों को ज्योतिर्मय क्रिसमसवृक्ष और तारों से सजे देखते हैं और हम कैरोल गायन समूह को क्रिस्ती घरों में भेंट करने जाते हुए देखते हैं।

दो हजार वर्षों से पहले, उस पहले क्रिसमस के दिन, परमेश्वर के स्वर्गदूत की सेना ने पहला क्रिसमस गीत गाया। गीत के बोल **लूका** २:१३–१४ में लिखे हुए हैं – **तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का एक समूह परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, "आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर मनुष्यों में शांति हो जिनसे वह प्रसन्न है।**

हम पवित्र शास्त्र में **३** स्थानों में देखते हैं, जहां परमेश्वर के स्वर्गदूत खुशी से गा रहे हैं, नाच रहे हैं और प्रभु की महिमा कर रहे हैं।

अ) प्रभु ने जब पहले पृथ्वी बनाई, हम सुबह के तारों को परमेश्वर की स्तुति करते हुए देखते हैं। **अय्यूब ३८ू७ – जबकि भोर के तारों ने साथ मिलकर गाया तथा परमेश्वर के सब पुत्रों ने जयजयकार किया था?**

ब) जब हमारा प्रभु बेतलेहेम में पैदा हुआ था, हम गिरे हुए पापियों को बचाने के लिए, आकाश में स्वर्गदूतों का समूह इकट्ठा हुए और चरवाहों के साथ खूबसूरत गीत गाया जैसे हमने ऊपरलिखित लूका :**१३-१४** में देखा।

क) जब एक पापी पश्चाताप करता है, स्वर्ग में स्वर्गदूतों के बीच महान आनन्द और उत्सव होता है **लूका १५ू७ – मैं तुमसे कहता हूँ कि इसी प्रकार स्वर्ग में भी उन निन्यानवे धर्मियों से, जिन्हें मन फिराने की आवश्यकता नहीं, मन फिराने वाले एक पापी के लिए बढ़कर आनन्द मनाया जाएगा।**

इन गीतों में हम देख सकते हैं तीन भाग में याने,

पहले, सर्वोच्च परमेश्वर को महिमा। इसका मतलब है कि हमे केवल सर्वोच्च परमेश्वर को महिमा और सम्मान देना हैं। **यशायाह ४८रू११ – अपने निमित्त, हां, अपने ही निमित्त मैं यह करूंगा। मेरा नाम क्योंकर अपवित्र ठहरे? मैं अपनी महिमा दूसरे को नहीं दूंगा।**

यशायाह ४२रू८ कहता है – **मैं यहोवा हूं, यही मेरा नाम है, मैं अपनी महिमा दूसरे को न दूंगा और जो स्तुति मेरी है उसे खुदी हुई मूर्तियों को न दूंगा।**
राजा दाऊद न प्रभु की ओर देखा और उसे आशिषित किया कहते हुए **१ इतिहास २९:११ – हे यहोवा, महिमा, सामर्थ, गौरव, विजय एवं ऐश्वर्य तेरे ही हैं, क्योंकि आकाश और पृथ्वी में की समस्त वस्तुएं तेरी ही हैं; हे यहोवा राज्य तेरा ही है और तू ही सभों के ऊपर प्रधान एवं महान ठहरा है।**

जो कोई भी परमेश्वर की आराधना और महिमा करता है, परमेश्वर उनके बीच वास करता है। जब सुलैमान मंदिर का निर्माण किया और प्रभु की महिमा की, उसकी आराधना और स्तुति के साथ, परमेश्वर की महिमा नीचे उतर आया और मंदिर में भर गया, और परमेश्वर ने सुलैमान और इस्राएलियों के साथ एक वाचा बनाया।

उसी समय में हम देखते हैं राजा हेरोदेस को जब उसने परमेश्वर को सम्मान नहीं दिया, परमेश्वर का क्रोध और न्याय उस पर आया परमेश्वर के दूत ने उसे मार डाला। **प्रेरितों के काम १२रू२३ – उसी क्षण प्रभु के एक दूत ने उसे मारा, क्योंकि उसने परमेश्वर को महिमा नहीं दी उसके शरीर में कीड़े पड़ गए और उसने दम तोड़ दिया।**

परमेश्वर के प्रिय बच्चों, चाहे यह एक बड़ी आशीष हो या एक छोटी आशीष, सर्वोच्च परमेश्वर की स्तुति करो हमे आशिषित करने के लिए। परमेश्वर की स्तुति करके तुम एक खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकते हो। भजन संहिता **१९रू१** – आकाश परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रहा है, और आकाशमण्डल उसकी हस्तकला को प्रकट कर रहा है।

मनुष्य की शांति केवल उसी के पापों के कारण नष्ट होता है। पाप और अधर्म मनुष्य को परमेश्वर से अलग करता है, और बुराई को भीतर लाता हैं। **यशायाह ५७रू२१ – "दुष्टों के लिए शांति है ही नहीं।"** मेरे परमेश्वर का यही वचन है। येशु ने हमारे लिए अपने आप को कलवरी के क्रूस पर बलिदान किया हमें हमारे पापों से बचाने के लिए। **यशायाह ५३रू५ – परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण बेधा गया, वह हमारे अधर्म के कामों के लिए कुचला गया; हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए।**

उसने हमे शांति दी उस लहु द्वारा जो उसने कलवरी के क्रूस पर हमारे लिए बहाया। **कुलुस्सियों १:२० – और उसके क्रूस पर बहाए गए लहू के द्वारा शांति स्थापित कर के उसी के द्वारा समस्त वस्तुओं का अपने साथ मेल कर ले – चाहे वे पृथ्वी पर की हों अथवा स्वर्ग में की।**

वह शाश्वत शांति देता है। तुम्हे यह शाश्वत शांति देने के लिए, वह तुम्हे प्यार से बुलाता है। **मत्ती ११रू२८ – हे सब थके और बोझ से दबे लोगो, मेरे पास आओः मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।**

मेरे प्रिय बच्चों, प्रभु जो तुम्हे शांति देता है, उसकी निरंतर चौकसी करना। इस शांति को बनाए रखने के लिए किसी भी कीमत का भुगतान करने के लिए तैयार रहना। **भजन संहिता ३४:१४ – बुराई से दूर रह, और भलाई कर; शांति को ढूंढ़, और उसका पीछा कर।**

और परमेश्वर की शांति, जो सब समझ से बढ़कर है, तुम्हारे हृदयों और मनों को मसीह येशु द्वारा रक्षा करे।

दाऊद कहता है **भजन संहिता ७३रू२५** में – **स्वर्ग में मेरा और कौन है? तेरे सिवाय मैं पृथ्वी पर और कुछ नहीं चाहता।**

प्रिय बच्चों, अगर तुम परमेश्वर से प्यार करते हो तो तुम उसके चरणों में बैठोगे, परमेश्वर से प्रार्थना करोगे, उसके वचनों को पढ़ोगे और कलिसिया जाओगे, यह सब के द्वारा तुम आनंद और शांति पाओगे।

क्योंकि हमारे लिए एक बालक दिया गया है, हमारे लिए एक पुत्र दिया गया है, **यूहन्ना ३:१६ – "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।**

परमेश्वर की स्तुति करो और उसे सम्मान दो उस हर आशीष के लिए जिसे तुमने प्राप्त किया है। तुम सबको एक आशिषित क्रिसमस और एक आनंदमय नए वर्ष की शुभकामनाएँ।

मसीह में आपकी,

– पास्टर सरोजा म.

तुम्हारे साथ शांति रहे

उत्पत्ति १२ू३ – जो तुझे आशीर्वाद देंगे, मैं उन्हें आशीष दूँगा तथा जो तुझे शाप दे, मैं उसे शाप दूँगा, और पृथ्वी के सब घराने तुझ में आशीष पाएंगे। पौरानिक दिनो में, परमेश्वर ने लेवियों और याजकों का प्रयोग किया इस्राएल के लिए आशीष लाने के लिए। जब हम किसी को पूर्ण हृदय से आशिषित करते हैं, हम भी उसी प्रकार आशिषित हो जाते हैं। मरियम, येशु मसीह की माता, में भी यह महान गुण था। जब उसने इलीशिबा के गर्भवती होने के बारे में सुना, वह तुरंत उसके घर उससे मिलने गई। **लूका १:४०-४१ – और जकरयाह के घर में प्रवेश करके उसने इलीशिबा को नमस्कार किया। ऐसा हुआ कि ज्यों ही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना त्यों ही बच्चा उसके गर्भ में उछल पड़ा और इलीशिबा पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुई।** हम देखते हैं इन पवित्र शास्त्रों में कि जिस समय मरियम ने इलीशिबा को नमस्कार किया, बच्चा उसके गर्भ में कूदा । **लूका १:४४ – देख, ज्यों ही तेरे नमस्कार का शब्द मेरे कानों में पड़ा, बच्चा मेरे गर्भ में आनन्द से उछल पड़ा।** क्योंकि उसका नमस्कार हृदय पूर्वक था, परमेश्वर की आत्मा ने उस बच्चे से छलांग लगवाई। इस प्रकार, इसी तरह, जब हम किसी को हमारे जीवन में आशिषित करते है, हमे हृदयपूर्वक रीति से करना चाहिए। **लूका १२ू३ – इसलिए जो कुछ तुमने अंधियारे में कहा, वह उजियाले में सुना जाएगा, और जो कुछ तुमने भीतर के कमरों में फुसफुसा कर कहा वह छत पर से प्रचार किया जाएगा।**

परमेश्वर ने अब्राहाम को आशिषित किया और जब उसे उसके परिवार से अलग किया, उसने उसे एक महान वादा से आशिषित किया जैसे लिखा गया है पवित्र शास्त्रों में **उत्पत्ति १२ू३ – जो तुझे आशीर्वाद देंगे, मैं उन्हें आशीष दूँगा तथा जो तुझे शाप दे, मैं उसे शाप दूँगा, और पृथ्वी के सब घराने तुझ में आशीष पाएंगे।**

पवित्र शास्त्रों में यह दर्ज है, एक बार जब यशायाह मंदिर में गया, उसने वहाँ करूब और साराप दूतों को उस मंदिर में परमेश्वर की स्तुति करते हुए पाया, यह गाते हुए "पवित्र, पवित्र, पवित्र..." उस समय उस मंदिर में परमेश्वर का महिमा भर गया। दूसरी घटना में, हम देखते हैं जब पौलुस और सिलास बंदिगृह में स्तुति–गान कर रहे थे, परमेश्वर का सामर्थ उन पर उतर आया और लोहे की ज़जीरों के बंधन को तोड़कर उन्हे छुटकारा दिलाया। हम जो बोते हैं, वही हम पाते हैं। अगर हम अपने जीवनों में अच्छे कार्यों को बोते हैं, हम अच्छे कार्यों को पाएंगे और बुरे कार्यों को बोएंगे तो केवल बुरे और निष्फल चीज़ों को अपने जीवनों में पाएंगे। **मत्ती २८:९ – तब देखो, येशु उनसे मिला और उन्हें नमस्कार कहा। वे उसके पास आई और उन्होंने उसके पैर पकड़कर उसको दण्डवत किया।** हम इस शास्त्र में देखते हैं, कैसे स्त्रियों ने पुनर्जीवित परमेश्वर की आराधना की, वें सबसे पहले थे कब्र में तीसरे दिन जाने के लिए क्योंकि उन्होने येशु के प्रचार पर विश्वास किया और वें

जानते थे उनके हृदयों में कि येशु एक दिन मृतकों से जी उठेगा जैसे कि उसने वादा किया था।

परमेश्वर ने हमें दी हुई सारी आशिषों में "शांति" सबसे महत्त्वपूर्ण है। **लूका १०ः५ – जिस घर में भी प्रवेश करो, पहिले कहो, "इस घर में शांति बनी रहे।** इसी बात को परमेश्वर ने उसके चेलों को सिखाया था। हमारा येशु शांति का राजा है, परिवार परमेश्वर के चुने हुओं से आशिषित रहता है, सचमुछ उन परिवारों को महान आशीष प्राप्त होता है और महान शांति उनके घर में रहता है। उदाहरण; कभी–कभी जब हम कुछ लोगों के घर में जाते हैं, हम वहाँ ज़्यादा समय नहीं बैठ सकते हैं, वहाँ पर, उस घर में बहुत बेचैनी होती है, क्योंकि वहाँ शांति नहीं है। लेकिन, कई बार, जब हम किसी और घर में जाते हैं जहाँ शांति है, हम में इतना आनंद रहता है उस घर में प्रवेश करके और वहाँ कुछ समय बिताकर उस परिवार के साथ साहचर्य करने में क्योंकि यह परिवार शांति से आशिषित है। **भजन संहिता १२२ः७ – तेरी शहरपनाह के भीतर शांति, और तेरे महलों में सुख–समृद्धि बनी रहे!** अगर एक याजक हमारे घर में आकर प्रार्थना करता है "इस घर में शांति रहे।" तो शांति रहेगा, लेकिन हमे हमारे हृदयों में विश्वास करना चाहिए, हमारा विश्वास और भरोसा परमेश्वर में जो है इस वचन को सच करा देगा। लेकिन अगर हम विशवास नहीं करते, फिर यह वचन हमारे जीवनों में भौतिक नहीं बनेगा। **यशायाह २६ः३ – जिसका मन तुझ में लगा है, उसकी शांति तेरे द्वारा पूरी बनी रहेगी, क्योंकि उसका भरोसा तुझ पर है।** जो परमेश्वर पर विश्वास करते हैं और जिनके मन केवल उस पर बना रहता है, वे उनके जीवनों में परिपूर्ण शांति पाएँगे।

उतपत्ति ३:४ – तब सर्प ने स्त्री से कहा, "तुम निश्चय न मरोगे! पहला झूठ इस संसार में शैतान के द्वारा आया, वह दुष्ट शैतान ने हव्वा से झूठ बोला कि अगर वह उस वृक्ष के फल को खाएगी जिसे खाने से परमेश्वर ने उसे मना किया था, वह नहीं मरेगी। परमेश्वर ने सारी चीज़े बनाई, उसने सारे प्राणियों को आधीन किया और उन्हे मनुष्य के सामने झुका दिया। लेकिन जब पाप ने मनुष्य के जीवन में प्रवेश किया, उसने इन सारी आशीषों को खो दिया। आज्ञा न मानना हमारे जीवनों में सारे दुखों का जड़ है। जब हम परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते हैं, हम आशिषित होते हैं। लेकिन जब हम परमेश्वर के आज्ञा को नहीं मानते हैं हम हमारी सारी आशिषों को खो देते हैं। **रोमियों १६ः२० – शांति का परमेश्वर शीघ्र शैतान को तुम्हारे पैरों तले कुचलवा देगा। हमारे प्रभु येशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारे साथ हो।** लेकिन फिर एक बार परमेश्वर ने येशु मसीह को इस संसार में हमारे लिए और हमारे पापों के लिए भेजा और येशु मसीह ने शैतान को कलवरी के क्रूस पर हराया और फिर एक बार हमे उस प्रभुत्व को दिया है जिसे हमने अदन की वाटिका में खोया है। हमारा परमेश्वर हमसे बहुत प्यार करता है और वह उसके बच्चों को निरंतर आशिषित करना चाहता है। शैतान चोर जैसे आता है नष्ट करने और मार डालने के लिए, लेकिन येशु आया आशीष देने के लिए और हमे भरपूर जीवन उसके अनुग्रह के द्वारा देने के लिए।

यूहन्ना १४ः२७ – मैं तुम्हे शांति दिए जाता हूँ , अपनी शांति तुम्हें देता हूँ , ऐसे नहीं देता जैसे संसार तुम्हें देता है। तुम्हारा मन व्याकुल न हो, और न भयभीत हो। येशु, शांति का राजा, उसने हमसे ऐसी शांति का वादा किया है जो सब समझ के बाहर है। उसने हमे ऐसी शांति से आशिषित किया है जो सारे मनुष्यों की समझ के बाहर है।

जब हम इस्राएल गए थे तब हमने वहाँ देखा कि कैसे लोग एक दूसरे का अभीवादन करते हैं – **"शालोम"** कहकर, जिसका अर्थ है **"तुम्हारे साथ शांति बनी रहे।"** हमने महसूस किया है कि लोग केवल अपने मूँह से एक दूसरे का अभीवादन करते हैं, लेकिन उनके हृदय में शांति के परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते हैं और उनका हृदय उससे दूर है।

लूका १९:४२ – और कहा, "यदि आज के दिन तू, हां तू ही, उन बातों को जानता जो शांति की हैं–परन्तु अब वे तेरी आंखों से छिप गई हैं। पवित्र शास्त्रों में, हम देखते हैं कि येशु अपने लोगों के लिए कैसे रोया क्योंकि वें उसे नहीं जान पाए थे। येशु, पिता परमेश्वर द्वारा इस संसार में भेजा गया था ताकि हमारा सारा दुख और सारी पीड़ा लिया जाए और हम शांति के आशीष को पाए। दुष्ट यह जानता था और पूरी कोशिश करता है कि लोगों को इस संसार के अस्थायी सुखों को दिखाकर इस संसार की ओर फुसलाए। लेकिन हमसे हमेशा प्यार करने वाला येशु मसीह इस संसार में उसके कार्यों को जारी रखा तब तक की उसने दुष्ट को कलवरी के क्रूस पर हराया। परमेश्वर हमेशा हमारे हृदय को देखता है, हम किस प्रकार के लोग हैं? उस गरीब स्त्री के समान जिसने दान–पेटी में वह सब कुछ ड़ाल दिया जो उसके पास था.... आखिर के दो तांबे के सिक्के और उसने अपना स्थान पवित्र शास्त्रों में बनाया। क्या हम उसके जैसे हैं? क्या हम खुशी–खुशी देते हैं या कुड़कुड़ाकर देते हैं? परमेश्वर आज हमारे हृदय की गहराइयों में देखता है।

यूहन्ना २०ः१९ – उसी दिन, जो सप्ताह का पहिला दिन था, संध्या के समय जब वहां के द्वार जहां चेले थे, यहूदियों के डर के मारे बन्द थे, तब येशु आकर उनके मध्य खड़ा हो गया और उसने उनसे कहा, तुम्हें शांति मिले। येशु को क्रूस पर चढ़ाने के बाद, उसके सारे चेले गिरफ़्तार होने के ड़र के कारण छिप गए। वें हर समय बंद–दरवाज़ो के पीछे रहते थे। लेकिन येशु मसीह, तीसरे दिन उसके जी उठने पर, उनसे मिलने आता है और उन्हे मज़बूत बनाता है, उसने उनका सारा भय और असुरक्षता निकाल दिए और उन्हे फिर एक बार शांति से आशिषित किया जो उन्हे बल देता उठकर चुनौती लेने के लिए कि वें उसके लोगों को फिर एक बार उसका वचन–प्रचार करे, बिना किसी भय के। पवित्र–शास्त्रों में, हम देखते हैं, अब्राहाम भी उसके परिवार से अलग किया हुआ था और शांति से आशिषित किया गया था। पवित्र–शास्त्रों में, काफ़ी लेख हैं जो हमे येशु नाम द्वारा हमे उम्मीद दिलाता है। **मत्ती १:२१ – वह पुत्र को जन्म देगी, और तू उसका नाम येशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों का उनके पापों से उद्धार करेगा।** हाँ, 'येशु' नाम द्वारा हमे आज विजय प्राप्त होता है, हमारे पापों पर, दुख और वेदनाओं पर, विजय। **लूका १९ः१० – मनुष्य का पुत्र तो खोए हुओं को ढूंढ़ने और उनका उद्धार करने आया है।** हाँ, 'येशु नाम

द्वारा हम वह सब कुछ पा सकते हैं जो हमने खोया है क्योंकि येशु ने हमारे पापों का कीमत चुकाया है। **प्रेरितों के काम २:२१ – और ऐसा होगा कि जो कोई प्रभु का नाम लेगा वह उद्धार पाएगा।** जो कोई येशु के नाम को लेगा वह बचेगा, केवल येशु ही आज बचानेवाला अनुग्रह और उम्मीद है। **रोमियों १०रू१३ – क्योंकि, "जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।** जो कोई उसके नाम को विश्वास और सच्चाई से पुकारेगा, बच जाएगा। कोई जाति या धर्म नहीं, जो कोई येशु के नाम को विश्वास और पूर्ण हृदय से पुकारेगा, वें वेदनाओं, संसार के बंधन, दर्द और दुख से छुड़ाए जाएंगे और अनंत जीवन पाएंगे।

यशायाह ४५रू२२ – हे पृथ्वी के छोर छोर के सब लोगो, मेरी ओर फिरो और उद्धार पाओ, क्योंकि मैं ही परमेश्वर हूं, अन्य कोई नहीं। केवल येशु मसीह उद्धार का मार्ग है, वह हमारा जीवित परमेश्वर और उद्धारकरता है, उसके पहले या उसके बाद कोई और परमेश्वर नहीं है। केवल वह परमेश्वर है, जो हमारे लिए मरा और फिर जी उठा और हमेशा के लिए जीवित है ..... उसका नाम येशु है। **प्रेरितों के काम १६रू३१ – उन्होंने कहा, "प्रभु येशु पर विश्वास कर तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।** केवल हमारे लिए ही नहीं, लेकिन यह आशीष हमारे पूरे घराने और परिवारों के लिए है, उन सब के लिए जो येशु के नाम को कबूल करते हैं, वें बच जाएंगे। **यशायाह ५२रू७ – पर्वतों पर उसके पैर क्या ही सुहावने हैं जो शुभ समाचार लाता है; जो शांति की बातें सुनाता और भलाई का शुभ सन्देश लाता और उद्धार का सन्देश देता है और सिय्योन से कहता है, तेरा परमेश्वर राज्य करता है!"** मैं तुम्हारे साथ एक गवाही बताना चाहती हूँ, हम एक बार बाहर गए थे और मेरी मुलाकात एक स्त्री से हुई जो दुखी थी और उसके जीवन में उदास थी। उसने मुझसे कहा कि मैं नहीं जानती क्यों मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि अपनी कहानी को तुम्हे बताऊँ और वह कहने लगी कि कैसे उसकी मँगनी हुई थी और अब उसका मँगेतर उससे बात भी नहीं कर रहा है। लेकिन वह अब किसी और के साथ मिल–झुल रहा है। मैंने उसे अपनी प्रार्थना का आश्वासन दिया और उसे प्रोत्साहित किया यह कहकर कि वह चिंता न करे, परमेश्वर सब–कुछ सम्हालेगा। फिर एक बार, दो सप्ताह बाद उसने फ़ोन पर संपर्क किया और वह बुरी तरह से रो रही थी और उसने कहा की उसके जीवन में कोई प्रगति नहीं थी, उसका मँगेतर ने अब भी उसी तरह का बरताव जारी रखा है। मैं और ज़्यादा प्रार्थना करने लगी, क्योंकि केवल परमेश्वर हर परिस्थिति में विजय दिला सकता है। उस बहन ने फिर एक बार फ़ोन किया और कहा कि पूरी परिस्थिति बदल गई है, अब उसका मँगेतर उसके साथ बहुत अच्छा बरताव कर रहा है और वें शादी की तारीख़ पक्की करने में लगे हैं। हमारा परमेश्वर हर समय अच्छा है, खास करके उनके लिए जो मायूस परिस्थितियों में हैं, वह उनके निकट है और उनके हृदय और उनके विश्वास को परखता है। क्या यह एक महान गवाही नहीं? येशु टूटे हृदयों को चंगा करता है और उनके जीवनों में विजय लाता है।

१ यूहन्ना ४रू४ – बच्चो, तुम परमेश्वर से हो और तुम उन पर विजयी हुए होरू क्योंकि वह जो तुम में है, उस से जो संसार में है, कहीं बढ़कर है। हाँ, हमे दुष्ट से नहीं ड़रना चाहिए, क्योंकि जब येशु हमारे अंदर है, वह उससे अधिक शक्ति शालि है जो इस संसार में है। हम जो शांति से आशिषित है और दूसरों के साथ यह बाँट सकते हैं। **मरकुस १६रू२० – और उन्होंने जाकर सब जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा, और वचन को उन चिन्हों के द्वारा जो साथ साथ होते थे, दृढ़ करता रहा।** इसी प्रकार, चेलें आशिषित थे येशु द्वारा ताकि वें इस संसार में जाकर प्रचार कर सके, टूटे हृदयों को चंगा कर सके, बंदिगृह में जो हैं उन्हें छुड़ा सके, लंगड़ो को फिर एक बार चला सके और अंधों को देखने के लिए नज़र दे सके। हमारा परमेश्वर आज भी यह सारे महान चमत्कारों को करने के काबिल है। **२ तीमुथियुस ४रू७–१० – मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूं, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैंने विश्वास की रक्षा की है। भविष्य में मेरे लिए धार्मिकता का मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु जो धार्मिकता से न्याय करने वाला है उस दिन मुझे प्रदान करेगा, और न केवल मुझे वरन् उन सब को भी जो उसके प्रकट होने को प्रिय जानते हैं। मेरे पास शीघ्र आने का पूरा प्रयत्न कर, क्योंकि देमास ने इस संसार के मोह में पड़कर मुझे छोड़ दिया और थिस्सलुनीके को चला गया है। क्रैसकेंस तो गलातिया को और तीतुस, दलमतिया को चला गया है।** जब हम परमेश्वर के हर आज्ञा का पालन करते हैं तब हम नाज़ से कह सकते हैं, हम अच्छी कुश्ती लड़ चुके हैं, हमे अपनी दौड़ पूरी कर ली है, और विश्वास को रखा है। हाँ, अच्छी लड़ाई पूरी करना बहुत ज़रूरी है नहीं तो हम इस क्रूर संसार में हमे लुभाने वाले दुष्ट द्वारा गिर जाएंगे। **तीमुथियुस ६रू१०–१२ – क्योंकि धन का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है। कुछ लोगों ने इसकी लालसा में विश्वास से भटक कर अपने आप को अनेक दुखों से छलनी बना डाला है। परन्तु हे परमेश्वर के जन, तू इन बातों से भाग, और धार्मिकता, भक्ति, विश्वास, प्रेम, धैर्य और नम्रता का पीछा कर। विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़। अनन्त जीवन को पकड़े रह जिसके लिए तू बुलाया गया था और जिसकी उत्तम गवाही तू ने अनेक गवाहों के सम्मुख दी थी।** स्वर्ग में अनन्त जीवन जीतने के लिए हमें विश्वास के साथ अच्छी लड़ाई लड़ने की ज़रूरत है और इस संसार की बुरी चीजों से दूर भागनी है। केवल तभी हम हमारे प्रभु के लिए अच्छी गवाहियाँ बन सकते हैं।

परमेश्वर के बच्चे आज इस संसार से मोहित हो रहे हैं और वह सब चीज़ों से जो यह देता है। उन्होने परमेश्वर की शांति और खुशी को त्याग दिया है और शैतान द्वारा दी गई अस्थायी खुशी का पीछा किया। यह लोग कैसे हैं? वे ऐसे हैं जैसे पवित्र शास्त्रों में दिया गया है **यहूदा १रू१३ – समुद्र की प्रचण्ड लहरें हैं जो फेन के समान अपनी लज्जा उछालते हैं, डांवांडोल तारे हैं जिनके लिए घोर अंधकार सदा के लिए ठहराया गया है।** उन्होने परमेश्वर की आशिषों को त्याग दिया है और एक शापित जीवन जी रहे हैं। उन्होने स्वर्गलोक को त्याग दिया है, एक जगह जो उनके लिए परमेश्वर द्वारा तैयार किया गया है,

और नरक की जलती आग की ओर जा रहे हैं। **यहूदा १रू१४–२४ – हनोक ने भी, जो आदम से सातवीं पीढ़ी में था, इनके विषय में यह नबूवत कीरू देखो, प्रभु अपने लाखों पवित्र जनों के साथ आया, कि सब का न्याय करे, और सब भक्तिहीनों को उन के सब अभक्ति के काम जो उन्होंने भक्तिहीन होकर किए, और उन सब कठोर बातों के विषय में जो भक्तिहीन पापियों ने उसके विरोध में कही हैं, दोषी ठहराए।" ये कुड़कुड़ाने वाले, दोष ढूंढ़ने वाले, अपनी वासनाओं के अनुसार चलने वाले, घमण्ड भरी बातें करने वाले और अपने लाभ के लिए लोगों की चापलूसी करने वाले लोग हैं। पर हे प्रियो, तुम उन बातों को अवश्य स्मरण रखो जिन्हें हमारे प्रभु येशु मसीह के प्रेरित पहिले ही से कह चुके हैं। वे तुम से कहा करते थे, अन्त के दिनों में ऐसे ठट्ठा करने वाले होंगे जो अपनी अभक्तिपूर्ण बुरी अभिलाषाओं के चलाए चलेंगे। ये वे हैं जो फूट डालते हैं। ये सांसारिक एवं आत्मारहित हैं। पर हे प्रियो, तुम अपने अति पवित्र विश्वास में गठकर, पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए, अपने आपको परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखो, और अनन्त जीवन के लिए उत्सुकता से हमारे प्रभु येशु मसीह की दया की बाट जोहते रहो। जो सन्देह करते है उन पर दया करो, औरों को आग में से झपट कर निकालो, और डरते हुए अन्य लोगों पर दया करो, यहाँ तक कि शरीर द्वारा कलंकित वस्त्रों से भी घृणा करो। अब जो ठोकर खाने से तुम्हारी रक्षा कर सकता है, और अपनी महिमा की उपस्थिति में तुम्हें निदोष और आननदित करके खड़ा कर सकता है।** इस दुनिया की शुरुआत से, शैतान हमेशा परमेश्वर के निर्माण के पीछे था एक गुर्राते शेर की तरह इंतजार कर परमेश्वर के बच्चों पर आक्रमण करने के लिए। इसलिए, हमें हमेशा हमारे जीवन के हर स्थिति में परमेश्वर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। केवल परमेश्वर हमें हर स्थिति में उठाएगा। जब परमेश्वर हमारे साथ है, हम शैतान की बुरी योजनाओं के शिकार कभी नहीं गिरेंगे, शैतान केवल चोरी करने के लिए आता है, नष्ट करने और मारने के लिए। लेकिन एक बार फिर से, याद रखना, हमारा परमेश्वर हमें जीवन देने और जीवन अधिक बहुतायत से देने आया। परमेश्वर में, हमारे लिए अनन्त जीवन का वादा है। उसकी आशिषें पूर्ण और बहुतायत मात्रा में है, लेकिन केवल उनके लिए जो धर्मी जीवन जीते हैं और उनके लिए जो उनका विश्वास, भरोसा और आशा उसपर रखते हैं।

यह संदेश हमारे जीवन में आशीष लाए और हमारी मदद करें उसकी शांति और प्रकाश में हमेशा चलने के लिए!

– पास्टर सरोजा म